20

कैसे होता है यूरेका का चमत्कार

कई दफा लगातार चिंतन व कोशिश के बावजूद भी वैज्ञानिक समस्या का हल नहीं खोज पाते और अनायास ही हल हाथ लग जाता है। बहुत ही कम वैज्ञानिक खुलकर बताते हैं कि किसी सवाल के हल तक पहुंचने के लिए उन्होंने कौन-कौन सा रास्ता अख्तियार किया। इसलिए अक्सर जो सामने आता है वह वैज्ञानिक विधि के क्रमिक खोज के तरीके को ही पुख्ता करते हुए, महिमामंडित करता है। आइज़ेक एसीमोव के अनुसार ज़्यादातर वैज्ञानिक यूरेका फोबिया (अनायास सूझे हल) से इस कदर डरे हुए रहते हैं कि वे सच बताने का जोखिम लेना नहीं चाहते। इस लेख में वे वैज्ञानिक खोज में अनैच्छिक विचार के ऐतिहासिक उदाहरणों को प्रस्तुत करते हुए उसके महत्व का आकलन कर रहे हैं।

महाभारत -

पांडुलिपियों से समालोचनात्मक संस्करण

ऐसा माना जाता है कि गुप्तकाल में महाभारत को लिपिबद्ध करके उसके पाठ्य को स्थिरता देने की कोशिश की गई थी। इस लोकप्रिय ग्रंथ की पूरे भारत में सैकड़ों पांडुलिपियां मौजूद हैं लेकिन हर इलाके की पांडुलिपि में कोई ऐसा प्रसंग या हिस्सा ज़रूर होगा जो बाकी से फर्क है।

इन विभिन्न पांडुलिपियों से उस मूल संस्करण के कितना पास पहुंचा जा सकता है और कैसे, यही विमर्श का विषय है इस बार। साथ ही यह भी कि भंडारकर संस्थान ने किस तरह महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण तैयार किया।

57

शैक्षणिक संदर्भ

अंक: 4 (52) दिसंबर 2005-जनवरी 2006

इस अंक में

4 | **आपने लिखा**

9 | **सजीवों में नाइट्रोजन का अंगीकरण**
उमा सुधीर

19 | **न्यूटोनिया ग्रह पर जनसंख्या नियंत्रण**
मार्टिन गार्डनर

20 | **कैसे होता है यूरेका का चमत्कार**
आइज़ेक एसीमोव

34 | **थर्मामीटर उलटने पर**
सवालीराम

39 | **वॉटर लेंस से दूरबीन भी और . . . .**
उमेश चंद्र चौहान

44 | **स्कूली बच्चों को ऋणात्मक संख्याएं पढ़ाना**
जयश्री सुब्रह्मण्यम

57 | **महाभारत - पांडुलिपियों से . . . .**
सी. एन. सुब्रह्मण्यम एवं पी. के. बसंत

69 | **एन.सी.ई.आर.टी. की विज्ञान पाठ्य पुस्तकें**
सुशील जोशी

79 | **टूटे खिलौने**
बी शूमिन

96 | **जीवाश्मों का लिंग निर्धारण**